# बच्चों के लिए 46 वीं जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी 2019

(46th JAWAHARLAL NEHRU NATIONAL SCIENCE, MATHEMATICS AND ENVIRONMENT EXHIBITION FOR CHILDREN 2019)

बच्चों के लिए 46 वीं जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी 2019 का आयोजन दिनांक 15 से 20 अक्टूबर 2019 तक बी.टी.आई. ग्राउंड, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ में किया गया। इस प्रदर्शनी का आयोजन एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली तथा स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर द्वारा किया गया।

प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य कार्यकारी मॉडल एवं विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा 14–18 वर्ष के स्कूली बच्चों को उनकी विज्ञान एवं गणित की समझ, सृजनता, नवाचार तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के लिए मंच प्रदान करना है। प्रदर्शनी में प्रस्तुत प्रत्येक प्रदर्श के सृजन में जिज्ञासु बाल वैज्ञानिकों द्वारा एक या अनेक समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाता है। प्रदर्शनी का मुख्य महत्व बच्चों को सामाजिक समस्याओं के प्रति विज्ञान एवं गणित द्वारा समाधान हेतु प्रोत्साहित करना है।

प्रदर्शनी में बच्चों को अपने कार्यों के प्रदर्शन एवं उन्हें दर्शकों एवं साथियों के साथ आदान–प्रदान करने के अवसर मिलते हैं। इस राष्ट्रीय प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा निर्मित प्रदर्श स्कूलों से ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर तक पहुँचते हैं। अतः यह प्रदर्शनी स्कूलों से बच्चों की राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता एवं गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शों के प्रदर्शन का अवसर उपलब्ध कराती है। इस प्रदर्शनी में देश के सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के विद्यालयों के विद्यार्थी एवं मार्गदर्शक शिक्षक सहभागिता करते हैं।

यह प्रदर्शनी बच्चों, शिक्षकों और सामान्य जनता के बीच विज्ञान और गणित को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिवर्ष एन.सी.ई.आर.टी.नई दिल्ली द्वारा किसी एक राज्य अथवा संघ शासित क्षेत्र में आयोजित की जाती है। पूर्व वर्षों में इसके आयोजन का विवरण निम्नानुसार है–

| वर्ष | स्थल | उद्घाटनकर्त्ता |
|---|---|---|
| 1980 व 1981 | दिल्ली तथा बैंगलौर | महामहिम राष्ट्रपति श्री संजीवा रेड्डी |
| 1983 से 1986 | लखनऊ, उदयपुर, तथा गोहाटी | महामहिम राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह |
| 1987 से 1991 | जबलपुर, जम्मू, हैदराबाद, पटना तथा कोचीन | महामहिम राष्ट्रपति श्री आर. वैंकटारमन |
| 1992–93 | चेन्नई | माननीय मुख्यमंत्री सुश्री के. जयललिता |
| 1994–95 | दिल्ली | माननीय प्रधानमंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हा राव |
| 1996–2002 | भुवनेश्वर, गुड़गांव, अमृतसर, राजकोट, गोवा, इलाहाबाद तथा हैदराबाद | संबंधित राज्यों के माननीय मुख्यमंत्री/महामहिम राज्यपाल/ माननीय शिक्षामंत्री |
| 2003 | छेहरादून | महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम |
| 2004 | राँची | माननीय मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मंडा |
| 2005 | रायपुर | महामहिम राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. सेठ |
| 2006 | पुणे | पद्म भूषण डॉ. विजय भटकर, कम्प्यूटर वैज्ञानिक |
| 2007 | पुण्डुच्चेरी | महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी |
| 2008 | सेलन | महामहिम राज्यपाल श्रीमती प्रतिभा राऊ |
| 2009 | कोलकाता | माननीय मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य |
| 2010 | उदयपुर | माननीय शिक्षा मंत्री श्री भंवरलाल मेघवाले |
| 2011 | पटना | माननीय मुख्यमंत्री श्री नितीश कुमार |
| 2012 | सिलवासा | पद्म विभूषण श्री आर. चिदम्बरम्, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार |
| 2013 | गंगटोक | महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी |
| 2014 | चंडीगढ़ | माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर |
| 2015 | ऐरनाकुलम | पद्म भूषण डॉ. राधाकृष्ण, पूर्व अध्यक्ष, इसरो |
| 2016 | बंगलुरू | माननीय, मुख्यमंत्री श्री सिद्धारमैय्या |
| 2017 | भोपाल | माननीय मुख्यमंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान |
| 2018 | अहमदाबाद | माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी |

छत्तीसगढ़ राज्य को मेजबानी का यह सौभाग्य 14 वर्षों के उपरांत पुनः प्राप्त हुआ । पहली बार 32वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन छत्तीसगढ़ में सन–2005 में हुआ था।

46 वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी का मुख्य विषय– **"जीवन की चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक समाधान (Scientific Solutions for Challenges in Life)"** था। प्रदर्शों का प्रदर्शन छः उपविषयों में किया गया–

- कृषि एवं जैविक खेती (Agriculture and Organic Farming) ,
- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (Health and Cleanliness),
- संसाधन प्रबंधन (Resource Management),
- अपशिष्ट प्रबंधन (Waste Management) परिवहन एवं संचार (Transport and Communication),
- गणितीय प्रतिरूपण (Mathematical Modelling)

  सम्पूर्ण देश से विद्यार्थी, शिक्षक अपने प्रदर्शो के साथ विद्यालय, जिला, जोन, राज्य स्तर की यात्रा करते हुए यहाँ तक पहुँचे। एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा विभिन्न राज्यों के उपविषयवार माडलों की संख्या निम्नानुसार थी–

| S.NO. | STATE | SUB THEMES | | | | | | TOTAL EXHIBITS |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1 | **2** | **3** | **4** | **5** | **6** | |
| 1 | ASSAM | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | **3** |
| 2 | BIHAR | 0 | 1 | 0 | 2 | 1 | 1 | **5** |
| 3 | CHHATTISGARH | 0 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | **3** |
| 4 | DIU | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | **2** |
| 5 | GOA | 0 | 1 | 1 | 3 | 0 | 0 | **5** |
| 6 | GUJRAT | 3 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | **6** |
| 7 | HARYANA | 0 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | **3** |
| 8 | HIMACHAL PRADESH | 0 | 2 | 2 | 0 | 1 | 0 | **5** |
| 9 | KERLA | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 4 | **7** |
| 10 | MADHYA PRADESH | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | **5** |
| 11 | MANIPUR | 0 | 1 | 2 | 0 | 0 | 0 | **3** |
| 12 | MEGHALAYA | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | **4** |
| 13 | MIJORAM | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | **1** |
| 14 | ODISA | 0 | 3 | 0 | 0 | 1 | 0 | **4** |
| 15 | RAJASTHAN | 0 | 2 | 1 | 0 | 1 | 2 | **6** |
| 16 | SIKKIM | 0 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | **3** |
| 17 | TAMIL NADU | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | **2** |
| 18 | TELANGANA | 1 | 1 | 1 | 1 | 2 | 3 | **9** |
| 19 | TRIPURA | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | **1** |
| 20 | UTTRAKHAND | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | **4** |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 21 | UTTAR PRADESH | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 | 0 | **15** |
| 22 | ANDMAN AND NIKOBAR | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | **2** |
| 23 | CHANDIGARH | 0 | 3 | 2 | 1 | 2 | 1 | **9** |
| 24 | DADAR NAGAR HAVELI | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | **1** |
| 25 | NEW DELHI | 3 | 3 | 0 | 1 | 2 | 0 | **9** |
| 26 | KVS | 2 | 1 | 0 | 1 | 0 | 2 | **6** |
| 27 | NVS | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | **4** |
| 28 | DMS | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | **1** |
| 29 | DAE | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | **1** |
| 30 | CBSE | 2 | 4 | 2 | 3 | 0 | 0 | **11** |
| 31 | CTA | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | **4** |
| 32 | MAHARASHTRA | 1 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | **3** |
| TOTAL NATIONAL LEVEL SELECTED EXHIBITS | | 23 | 34 | 30 | 20 | 22 | 18 | **147** |

- दिनांक 15.10.2019 को प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके, महोदया द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय डॉ. प्रेमसायसिंह टेकाम, मंत्री छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, श्री प्रमोद दुबे, महापौर, रायपुर नगरपालिक निगम, श्री गौरव द्विवेदी प्रमुख सचिव, छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, श्री एस.प्रकाश, संचालक, लोकशिक्षण संचालनालय, श्री दयानंद, संचालक, एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर तथा श्री. ऋषिकेश सेनापति, निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी.,नई दिल्ली उपस्थित थे।
- प्रदर्शनी में सम्मिलित होने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा विभिन्न उप विषयों के अंतर्गत 147 प्रदर्शों का चयन किया गया था जिनमें से 139 प्रदर्शों ने अपनी सहभागिता दी। राज्य स्तर से एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर द्वारा सहभागिता के लिए 22 प्रदर्शों का चयन किया गया था जिनमें से 19 ने प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता दी। इस प्रकार प्रदर्शों की सहभागिता लगभग 94 प्रतिशत रही।
- प्रदर्शो से जुड़े हुए विद्यार्थी तथा मार्गदर्शक शिक्षक, एनसीईआरटी के अधिकारी कर्मचारीगण, विभिन्न राज्यों से राज्य समन्वयक तथा लर्निंग कैम्प से जुड़े कलाकारों आदि को मिलाकर लगभग 664 व्यक्तियों द्वारा कार्यक्रम में सहभागिता की गई।
- इस प्रकार कुल 26 राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त जवाहर नवोदय विद्यालय समिति, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, केन्द्रीय तिबेतन विद्यालय जैसे 06 नामचीन संगठनों ने इस प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता दी।

- इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर की निम्नलिखित संस्थाओं ने भी सहभागिता की –

➢ विज्ञान प्रसार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त संस्था
➢ पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ
➢ एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली के विभाग –
  - केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान
  - प्रकाशन विभाग
  - शैक्षिक किट विभाग
    ➢ छत्तीसगढ़ राज्य के द्वारा स्थापित राज्य पेवेलियन में –
    ➢ राज्य की नरवा (जल संरक्षण), गरूवा (पशुधन संरक्षण), घुरूवा (मिट्टी संरक्षण) और बारी (कृषि और कृषक कल्याण) जो कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित है जैसी महत्वाकांक्षी योजना को प्रदर्शित किया गया।
    ➢ शिक्षा विभाग के द्वारा किये गए महत्वपूर्ण कार्य एस.एल.ए., दीक्षा (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing, मल्टी मीडिया पाठ्यपुस्तकें (एम.एम.टी.) तथा एस.सी.ई.आर.टी., आईएएसई, सीटीई, डाइट के प्रकाशन भी प्रदर्शित किये गए।
    ➢ उद्यानिकी विभाग द्वारा भी सहभागिता की गयी।
    ➢ छत्तीसगढ़ विज्ञान प्रसार के स्टॉल में प्रतिदिन वैज्ञानिकों से विद्यार्थियों से चर्चा तथा अंधविश्वास निर्मूलन संबंधी गतिविधियां आयोजित की गयीं। आवास स्थल पर छत्तीसगढ़ विज्ञान प्रसार द्वारा प्रतिभागियों हेतु टेलिस्कोप द्वारा आकाश दर्शन का आयोजन किया गया।
    ➢ छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सी.कॉस्ट) द्वारा प्रदर्शनी स्थल पर तारामण्डल स्थापित किया गया। जिसका विद्यार्थियों के द्वारा भरपूर लाभ उठाया गया।

- स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रदर्शनी स्थल तथा आवास स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की व्यवस्था की गयी थी।
- शासकीय शिक्षा महाविद्यालय रायपुर के विद्यार्थियों की सहायता से कार्यक्रम हेतु लोगो का निर्माण किया गया।
- प्रतिभागियों के स्वागत हेतु रायपुर रेल्वे स्टेशन तथा बस स्टैंड पर स्वागत कक्ष बनाए गए तथा वाहन द्वारा उन्हें आवास स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था की गयी थी।
- स्मृति चिन्ह के रूप में प्रत्येक प्रतिभागी को प्रदर्शनी किट (Bag, Memento,Tee Shirt, Cap तथा Water bottle ) प्रदान किया गया।

- प्रतिदिन प्रातः 9:00 से 10:30 बजे तक प्रदर्शनीस्थल पर वैज्ञानिकों के व्याख्यान आयोजित किए गए। जिनका विवरण निम्नानुसार है–

| Date | Session and Time | Topic of lecture | Speaker's Name & Organization |
|---|---|---|---|
| 16th October 2019 | Session-I 9:00 to 9:45 | Use of Science in Solving Problems of Rural Life | **Dr. Pradeep Sharma** **Advisor to Honorable Chief Minister,** Agriculture and Rural Development Policy, Planning, Govt. of Chhattisgarh |
| | Session-II 10:00 to10:45 | Health & Nutrition for all. | **Dr. Aruna Palta** **Vice-Chancellor** Hemchand Yadav University, Durg |
| 17th October 2019 | Session-I 9:00 to 9:45 | Mathematical Modelling | **Dr. Arindam Bose,** **Associate Professor** Centre for Education Innovation and Action Research, **TISS, Mumbai** |
| | Session-II 10:00 to 10:45 | Scientific Innovations | **Dr. Sanjay Tiwari** **Professor & Head** School of Studies in Elections & Photonics Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur |
| 18th October 2019 | Session-I 9:00 to 9:45 | Dairy Technology why & What | **Dr. Sudhir Uprit** **Dean** College of Dairy Science and Food Technology, Raipur (Kamdhenu University, Durg) |
| | Session-II 10:00 to 10:45 | Agricultural Technology | **Dr. Sanjay Patil** **Vice-Chancellor** Indira Gandhi Krishi Vishwavidhyalay, Raipur Chhattisgarh |
| 19th October 2019 | Session-I 9:00 to 9:45 | Science & Technology for Inclusive Growth | **Prof. S. K. Pandey** **Retired Vice-Chancellor & Professor** Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur |
| | Session-II 10:00 to 10:45 | Physics, Chemistry and Geology of Water | **Dr. Ninand Bodhankar,** **HoD & Professor** Department of Geology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur |

- राष्ट्रीय स्तर की इस प्रदर्शनी का राज्य के विद्यार्थी भरपूर लाभ ले सकें इस हेतु योजनाबद्ध तरीके से लोक शिक्षण संचालनालय तथा समग्र शिक्षा के संसाधनों तथा समन्वय से प्रत्येक जिले के विद्यालयों तथा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को प्रदर्शनी के भ्रमण का अवसर दिया गया। प्रदर्शनी प्रतिदिन 11 से 5 बजे तक अवलोकन हेतु खुली रखी गई। राज्य के समस्त जिलों की शासकीय तथा निजी संस्थाओं के विद्यार्थियों तथा समुदाय के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।
- 5 दिनों में लगभग 23368 विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा समुदाय सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। विस्तृत विवरण निम्नानुसार है–

| क्र | दिनांक | छात्राओं की संख्या | छात्रों की संख्या | शिक्षकों और समुदाय सदस्यों की संख्या | कुल संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 15.10.19 | 1810 | 1577 | 700 | 4087 |
| 2 | 16.10.19 | 1402 | 1405 | 680 | 3487 |
| 3 | 17.10.19 | 2132 | 1627 | 878 | 4637 |
| 4 | 18.10.19 | 2769 | 2326 | 1741 | 6836 |
| 5 | 19.10.19 | 1656 | 1140 | 1525 | 4321 |
| | योग | 9769 | 8075 | 5524 | 23368 |

- प्रतिदिन संध्या 5.30 से 7 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। राज्य के विद्यालयों, डाइट तथा शिक्षा महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के द्वारा डंडा, पंथी, भतरी , घूमर, आदिवासी, रैला, सुआ, सरगुजिया तथा गोंडी नृत्य प्रस्तुत किए। अन्य राज्यों के विद्यार्थियों द्वारा भी प्रस्तुति की गई। अंतिम दिन संस्कृति विभाग के सहयोग से लोक रंग, अर्जुंदा द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया।

- छत्तीसगढ की सांस्कृतिक धरोहर व लोक कला के परिचय, जानने एवं सीखने के उद्देश्य से लर्निंग कैम्प्स, पारम्परिक आवास (लघु स्वरूप) एवं लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों द्वारा लगभग 25 लोकनृत्यों एवं 12 लोक कलाओं का प्रदर्शन एवं उपस्थित प्रतिभागियों को सीखने के अवसर प्रदान किये गये। इनमें से कुछ लोक नृत्य विलुप्ति के कगार पर हैं जैसे–नारायणपुर का कोकोरेंग। लोक कलाओं के अन्तर्गत चाक, चरखा, तुम्बा आर्ट, बांस कला, गोदना, भित्ति कला आदि शामिल थे।

- प्रस्तुत किए गए नृत्यों का विवरण निम्नानुसार है–

| क्र. | संभाग | जिला | नृत्य | दिनांक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | स्रगुजा | सूरजपुर | सैला, कर्मा, डमकच, बायेर | 17.10.19 |
| | | जशपुर | जशपुरिया कर्मा, सरहुल | 17.10.19 |
| 2 | बस्तर | दंतेवाड़ा | गौर | 19.10.19 |
| | | नारायणपुर | कोकोरेंग | 19.10.19 |
| | | कांकेर | लेजा, गेड़ी | 19.10.19 |
| | | कोण्डागांव | मादरी, ढोल, कुण्डीर, रेला,पाटा, | 16.10.19 |
| | | | शेरतांग | 16.10.19 |
| 3 | दुर्ग | दुर्ग | राउत नाचा, खड़ी साज | 18.10.19 |
| | | कवर्धा | बैगानी कर्मा | 18.10.19 |
| | | राजनांदगांव | पोश कोलांग | 18.10.19 |
| 4 | बिलासपुर | कोरबा | गौरा गौरी, बार नृत्य | 15.10.19 |
| 5 | रायपुर | महासमुन्द | डंडा | 15.10.19 |
| | | रायपुर | सुआ और पंथी | 15.10.19 |

- दिनांक 16.10.2019 को आवास स्थल पर क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुब्रत साहू क्विज मास्टर थे। इस कार्यक्रम से प्रतिभागी विद्यार्थी तथा शिक्षक इतने उत्साहित थे कि उनके द्वारा दिनांक 18.10.2019 को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में महोदय से मुलाकात कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।
- दिनांक 19.10.2019 को प्रदर्शनी का समापन माननीय श्री गुरू रुद्र कुमार, मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य यान्त्रिकी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री कुलदीप जुनेजा, पार्षद, नगरपालिक निगम रायपुर, श्रीमती धोतरे पार्षद, नगरपालिक निगम रायपुर, श्री गौरव द्विवेदी प्रमुख सचिव, छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, श्री एस.प्रकाश, संचालक, लोकशिक्षण संचालनालय, श्री दयानंद, संचालक, एस. सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर तथा प्रो.सुनीता फारक्या, विभाध्यक्ष डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई. आर.टी.,नई दिल्ली उपस्थित थे।
- दिनांक 20.10.2019 को प्रतिभागी बच्चों तथा मार्गदर्शक शिक्षकों हेतु शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण हेतु उन्हें चम्पारण तथा पुरखौती मुक्तांगन ले जाया गया। विभिन्न राज्यों से आये हुए शिक्षक तथा प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा इस भ्रमण के द्वारा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासतों से रूबरू हुए तथा इस पर्यटन का भरपूर आनंद उठाया।
- इस कार्यक्रम को अपनी स्मृतियों में संजोए रखने के लिए एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया गया ।

————000————

# बच्चों के लिए 46 वीं जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी 2019

बच्चों के लिए 46 वीं जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी 2019 का आयोजन दिनांक 15 से 20 अक्टूबर 2019 तक बी.टी.आई. ग्राउंड, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ में किया गया। इस प्रदर्शनी का आयोजन एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली तथा स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर द्वारा किया गया। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य कार्यकारी मॉडल एवं विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा 14–18 वर्ष के स्कूली बच्चों को उनकी विज्ञान एवं गणित की समझ, सृजनता, नवाचार तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के लिए मंच प्रदान करना है। छत्तीसगढ़ राज्य को मेजबानी का यह सौभाग्य 14 वर्षों के उपरांत पुनः प्राप्त हुआ । पहली बार 32वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन छत्तीसगढ़ में सन–2005 में हुआ था। 46 वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी का मुख्य विषय– **"जीवन की चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक समाधान (Scientific Solutions for Challenges in Life)"** था। प्रदर्शों का प्रदर्शन छः उपविषयों में किया गया–

- कृषि एवं जैविक खेती (Agriculture and Organic Farming) ,
- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (Health and Cleanliness),
- संसाधन प्रबंधन (Resource Management),
- अपशिष्ट प्रबंधन (Waste Management)
- परिवहन एवं संचार (Transport and Communication),
- गणितीय प्रतिरूपण (Mathematical Modelling)

सम्पूर्ण देश से विद्यार्थी तथा मार्गदर्शक शिक्षक अपने प्रदर्शो के साथ विद्यालय, जिला, जोन, राज्य स्तर की यात्रा करते हुए यहाँ तक पहुँचे। दिनांक 15.10.2019 को प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके, महोदया द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय डॉ. प्रेमसायसिंह टेकाम, मंत्री छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, श्री प्रमोद दुबे, महापौर, रायपुर नगरपालिक निगम, श्री गौरव द्विवेदी प्रमुख सचिव, छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, श्री एस.प्रकाश, संचालक, लोकशिक्षण संचालनालय, श्री दयानंद, संचालक, एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग. ,रायपुर तथा श्री. ऋषिकेश सेनापति, निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी.,नई दिल्ली उपस्थित थे।

- प्रदर्शनी में सम्मिलित होने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा विभिन्न उप विषयों के अंतर्गत 147 प्रदर्शों का चयन किया गया था जिनमें से 139 प्रदर्शों ने अपनी सहभागिता दी। राज्य स्तर से एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर द्वारा सहभागिता के लिए 22 प्रदर्शों का चयन किया गया था जिनमें से 19 ने प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता दी। इस प्रकार प्रदर्शों की सहभागिता लगभग 94 प्रतिशत रही।

- प्रदर्शनी में कुल 26 राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त जवाहर नवोदय विद्यालय समिति, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, केन्द्रीय तिबेतन विद्यालय जैसे 06 नामचीन संगठनों ने इस प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता दी। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर की संस्थाओं विज्ञान प्रसार, पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली के – केद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रकाशन विभाग,शैक्षिक किट विभाग ने सहभागिता की।
- छत्तीसगढ़ राज्य के द्वारा स्थापित राज्य पेवेलियन में –राज्य की नरवा (जल संरक्षण), गरूवा (पशुधन संरक्षण), घुरूवा (मिट्टी संरक्षण) और बारी (कृषि और कृषक कल्याण) जो कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित है जैसी महत्वाकांक्षी योजना को प्रदर्शित किया गया। शिक्षा विभाग के द्वारा किये गए महत्वपूर्ण कार्य एस.एल.ए., दीक्षा (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing, मल्टी मीडिया पाठ्यपुस्तकें (एम.एम.टी.) तथा एस.सी.ई.आर.टी., आईएएसई, सीटीई, डाइट के प्रकाशन भी प्रदर्शित किया गया।
- प्रदर्शनीस्थल पर प्रतिदिन वैज्ञानिकों के व्याख्यानों का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ विज्ञान प्रसार के द्वारा आवास स्थल पर टेलिस्कोप द्वारा आकाश दर्शन का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सी.कॉस्ट) द्वारा प्रदर्शनी स्थल पर तारामण्डल स्थापित किया गया। जिसका विद्यार्थियों के द्वारा भरपूर लाभ उठाया गया।
- प्रत्येक जिले के विद्यालयों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों तथा समुदाय के लगभग 23368 सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।
- प्रतिदिन संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। राज्य के विद्यालयों, डाइट तथा शिक्षा महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के द्वारा डंडा, पंथी, भतरी , घूमर, आदिवासी, रैला, सुआ, सरगुजिया तथा गोंडी नृत्य प्रस्तुत किए। अन्य राज्यों के विद्यार्थियों द्वारा भी प्रस्तुति की गई। अंतिम दिन संस्कृति विभाग के सहयोग से लोक रंग, अर्जुंदा द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया।
- छत्तीसगढ की सांस्कृतिक धरोहर व लोक कला के परिचय, जानने एवं सीखने के उद्देश्य से लर्निंग कैम्प्स, पारम्परिक आवास (लघु स्वरूप) एवं 25 लोकनृत्यों एवं 12 लोक कलाओं का प्रदर्शन किया गया।
- प्रदर्शनी के दौरान पर क्विज का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुब्रत साहू क्विज मास्टर थे।
- दिनांक 19.10.2019 को प्रदर्शनी का समापन माननीय श्री गुरू रुद्र कुमार, मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य यान्त्रिकी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री कुलदीप जुनेजा, पार्षद, नगरपालिक निगम रायपुर, श्रीमती धोतरे पार्षद,

नगरपालिक निगम रायपुर, श्री गौरव द्विवेदी प्रमुख सचिव, छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, श्री एस.प्रकाश, संचालक, लोकशिक्षण संचालनालय, श्री दयानंद, संचालक, एस. सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर तथा प्रो.सुनीता फारक्या, विभाध्यक्ष डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई. आर.टी.,नई दिल्ली उपस्थित थे।

- दिनांक 20.10.2019 को प्रतिभागी बच्चों तथा मार्गदर्शक शिक्षकों हेतु शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण हेतु उन्हें चम्पारण तथा पुरखौती मुक्तांगन ले जाया गया। इस कार्यक्रम को अपनी स्मृतियों में संजोए रखने के लिए एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया गया ।

- 2019
Scientific Solutions for
JNNSMEE
स्थान - रायपुर,
आयोजक - राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
नई दिल्ली

Wind Tower

नेहरु राष्ट्रीय
नी - 2019
जीवन की चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक स
Scientific Solutions for Challenges
स्थान - रायपुर, छत्तीसगढ़
नई दिल्ली
आयोजक - राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़,

ई दिल्ली
आयोजक - रा

VR BOX
अर्लिग्रेड रीडर्स

बच्चों के लिए 46 वीं जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय
विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी - 2019
जीवन की चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक समाधान
Scientific Solutions for Challenges in Life

------000------